पास्टर सरोजा म.

संपादक के नोट

ईस्टर एक ऐसा समय है जहाँ हमे स्मरण कराया जाता है कि हम सचमुच प्रभु और उद्धारकरता येशु मसिह द्वारा प्रेम किए गए हैं क्योंकि उसने हमारे लिए प्राण दिया और तीसरे दिन जी उठा ताकि हम सब इस दुनिया में नाश न होए। रोस ऑफ शारोन परिवार हमारे सभी पाठकों को एक बहुत ही धन्य ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाएं देता है। हम सभी की आँखे इस वर्ष येशु पर लगी रहें।

परमेश्वर मेरे लिए सारी चीज़े करता है ऐसा दाऊद परमेश्वर को देखकर कहता है, **भजन संहिता १३८रू८ – यहोवा मेरे लिए सब कुछ पूरा करेगा; हे यहोवा, तेरी करूणा सदा की है; अपने हाथ के कार्यों को त्याग न दे।**

इसी प्रकार हम अपनी आँखों को, खुशी के आँसुओं से भरे और उस कलवरी के क्रूस की ओर उठाएं, जहाँ परमेश्वर ने हमारे पापों को क्षमा किया, हमें पापों से अलग किया और दुष्ट को नाश कर दिया। येशु ने उस कलवरी के क्रूस पर किन कार्यों को पूरा किया?

सबसे पहले, उसने उन सारे नबुवतों को जिन्हे बाईबल में उसके बारे में दिए गए हैं, उसे पूरा कियारू

► **उत्पत्ति ३रू१५ – और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में, तथा तेरे वंश और इसके वंश के बीच में, बैर उत्पन्न करूंगा; वह तेरे सिर को कुचलेगा, और तू उसकी एड़ी को चाटेगा।"**

► **यशायाह ७रू१४ – इसलिए प्रभु आप ही तुम्हें एक चिन्ह देगा; देखो; एक कुंवारी गर्भवती होगी, वह एक पुत्र को जन्म देगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखेगी।**

► **मत्ती १रू२३ – "देखो, एक कुंवारी गर्भवती होगी, वह एक पुत्र को जन्म देगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा," जिसका अर्थ है, "परमेश्वर हमारे साथ"।**

► **मीका ५रू२ – परन्तु हे बैतलहम एप्राता, यद्यपि तू यहूदा के कुलों में बहुत छोटा है, फिर भी मेरे लिए तुझ में से एक पुरूष निकलेगा जो इस्राएल पर प्रभुता करेगा। उसका निकलना प्राचीनकाल से वरन् अनादिकाल से है।**

उसके बारे में कई अन्य नबुवतें भी पूरी हुई हैं। **यूहन्ना १७रू४** कहता है – **जो काम तूने मुझे करने को दिया था उसे पूरा करके मैंने पृथ्वी पर तेरी महिमा की है।**

यह एक विजयी प्रार्थना येशु के द्वारा था जब वह इस दुनिया में था।

दूसरा, जब येशु अपने शारिरिक जीवन के अंत के निकट आ रहा था, वह गतसमनी बाग में कहता है जैसे **मत्ती २६रू३८** में दिया गया है – **फिर उसने उनसे कहा, "मेरा मन बहुत उदास है, यहां तक कि मैं मरने पर हूं। यहीं ठहरो और मेरे साथ जागते रहो।"**

कलवरी के उस क्रूस पर येशु ने हमारे सारे पापों और दुखों को ले लिया है, **लूका २३रू४६ – और येशु ने ऊँचे स्वर से पुकार कर कहा, "हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ।"** यह कहकर उसने प्राण त्याग दिया।

उसके मृत्यु के पहले उसके जो अंतिम शब्द थे वें एक प्रार्थना के समान थीं।

हम देखते है स्तिफनुस, येशु का एक दृढ अनुयायी, वह मर रहा है, परमेश्वर को पुकारता है ताकि उसका प्राण वह स्वीकार कर ले, जैसे दिया गया है **प्रेरितों के काम ७रू५९ – जब वे पथराव कर रहे थे तो स्तिफनुस ने प्रार्थना की, "हे प्रभु येशु, मेरी आत्मा को ग्रहण कर!"**

अगर स्तिफनुस उसके चारों ओर देखता तो शायद उसका विश्वास ड़गमगाता।

यूहन्ना १४रू३० के अनुसार – **मैं तुमसे अब और अधिक न कहूँगा, क्योंकि इस संसार का शासक आ रहा है, और उसका मुझ पर कोई अधिकार नहीं,** येशु जानता था कि शैतान उसके पीछे पड़ेगा अंत तक, इस लिए उसने उसका प्राण उसके पिता के हाथों में सौंपा।

मरियम जब येशु के कब्र के सामने आँसू बहा रही थी, तब येशु ने उससे पूछा कि तुम क्यों रो रही हो? **यूहन्ना २०रू१५** कहता है – **येशु ने उस से कहा, "हे नारी, तू क्यों रो रही है? तू किसे ढूँढ़ रही है?" उसने उसे माली समझ कर उस से कहा, "महोदय, यदि तू उसे कहीं उठा ले गया है तो मुझे बता कि तू ने उसे कहां रखा है, और मैं उसे ले जाऊंगी।"**

यह जानते हुए कि हमारा परमेश्वर जी उठा है, अपने आँसुओ को पोछेगा और हमे आतमिक शांति और आनंद देगा। वह तुम्हारे लिए महान कार्यों को कर सकता है।

उसके पुन्नरउठान के बाद उसने अपने आप को प्रेरितो के सामने पेश किया। **प्रेरितों के काम १रू३ – अपने दुख–भोग के पश्चात उसने अनेक ठोस प्रमाणों से उन पर अपने आप को जीवित प्रकट किया, और चालीस दिन तक दिखाई देता रहा, और परमेश्वर के राज्य के विषय में उनसे बातें करता रहा।**

पुन्नरउठा परमेश्वर तुम्हारे हृद्यों में जीवित है। उसने तुम्हे उसका पवित्र मंदिर बनाया है।

अगर तुम जीवित परमेश्वर को तुम्हारे पूरे हृदय से खोजोगे तो तुम उसे पाओगे। कारणरू वह जीवित है। १ **इतिहास २८रू९ – और हे मेरे पुत्र सुलैमान! तू अपने पिता के परमेश्वर को जान और सम्पूर्ण हृदय एवं इच्छुक मन से उसकी सेवा कर, क्योंकि यहोवा प्रत्येक हृदय को जांचता एवं विचारों के प्रत्येक उद्देश्य को समझता है। यदि तू उसे ढूँढ़े तो वह तुझे मिलेगा; परन्तु यदि तू उसे त्याग दे तो वह सदा के लिए तुझे त्याग देगा।**

यह समय है परमेश्वर के निकट आने का और उसके संग रहने का। **याकूब ४रू८** कहता है – **परमेश्वर के निकट आओ तो वह भी तुम्हारे निकट आएगा। हे पापियो; अपने हाथ शुद्ध करो। और हे दुचित्तो, अपने हृदयों को पवित्र करो।**

परमेश्वर को प्रार्थना और उपवास करते अपना सारा हृदय, मन और प्राण से खोजो। २ **इतिहास १५रू२** कहता है – **और वह आसा से मिलने गया और उस से कहा, "हे आसा और सारे यहूदा और बिन्यामीन मेरी सुनो; जब तक तुम योहोवा के साथ रहोगे तब तक**

वह भी तुम्हारे साथ रहेगा और यदि तुम उसको खोजो तो वह तुम को मिलेगा; पर यदि तुम उसे त्याग दोगे तो वह भी तुम्हें त्याग देगा।

परमेश्वर को खोजो तब की वह मिल सकता है और उसे पुकारो जब वह निकट ही है। **नीतिवचन ८रू१७ – जो मुझ से प्रेम रखते हैं उनसे मैं भी प्रेम रखती हूँ। जो मुझे यत्न से ढूँढ़ेगे, वे मुझे पाएंगे।**

इस कारण, यह ईस्टर हमारे लिए परमेश्वर को हमारा संपूर्ण हृदय, और मन से खोजने का समय रहे ताकि परमेश्वर का शांति और आनंद हम में से हर एक के संग रहे और हमारे परिवार में भी रहे।

परमेश्वर आपको आशीष दे और संभाले रखें जब तक कि हम अगले महिने मिले।

पास्टर सरोजा म.